Roll No : ....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

AP–501

M.A. (Final) Examination, 2021

SANSKRIT

वर्ग (अ) साहित्य

Paper - IX **(ग)**

(विशेष कवि अध्ययन-कालिदास)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. समस्तानां प्रश्नानामुत्तरं दीयताम्। उत्तरसीमा **पञ्चाशत्** शब्दा: विद्यन्ते।

   (i) चारुता का भवति ? (संस्कृते उत्तरं दीयताम्)

   (ii) पापवृत्तये न रूपमिति कोऽवदत् ? (संस्कृते उत्तरं दीयताम्)

(iii) लोकापवादो बलवान्मतो मे इति कोऽवदत् ?

(iv) रघुवंशे कियन्तः सर्गाः वर्तन्ते ?

(v) कस्मिन् न्यस्तं गुणान्तरं व्रजति शिल्पमाधातुः ?

(vi) कालिदासस्य कति रूपकाणि ?

(vii) ऋतुसंहारस्य षष्ठसर्गे कस्य वर्णनं प्राप्यते ?

(viii) कालिदासस्य प्रियः रसः कः ?

(ix) कः मयूरस्य तले निषीदति ?

(x) कालिदासस्य कः उपाधिः ?

खण्ड–ब प्रत्येक 8

सप्तसु **पञ्चप्रश्नाः** समाधेयाः। द्वितीय, तृतीयौ प्रश्नौ अनिवार्यौ स्तः।

2. अधोलिखितस्य पद्यस्य संस्कृतभाषायां व्याख्या कार्या–

इति ध्रुवेच्छामनुशासती सुतां शशाक मेना न नियन्तुमुद्यमात्।

क ईप्सितार्थ-स्थिर-निश्चयं मनः पयश्च निम्नाभिमुखं प्रतीपयेत्॥

3. अधोलिखितस्य पद्यस्य संस्कृतभाषायां व्याख्या कार्या–

यथाश्रुतं वेदविदांवर! त्वया जनोऽयमुच्चैः पदलङ्घनोत्सुकः।

तपः किलेदं तदवाप्तिसाधनं मनोरथानामगतिर्न विद्यते॥

4. अधोलिखितस्य पद्यस्य व्याख्या कार्या–

शिलष्टा क्रिया कस्यचिदात्मसंस्था सङ्क्रान्तिरन्यस्य विशेषयुक्ता।

यस्योमयं साधु स शिक्षकाणां धुरि प्रतिष्ठापयितव्य एव॥

5. अधोलिखितस्य पद्यस्य व्याख्या कार्या–

हुताग्निकल्पैः सवितुर्गभस्तिभिः कलापिनः क्लान्तशरीरचेतसः।

न भोगिनं घ्नन्ति समीपवर्तिनं कलापचक्रेषु निवेशिताननम्॥

6. अधोलिखितस्य पद्यस्य व्याख्या कार्या–

आमूलतो विद्रुमरागताम्रं सपल्लवाः पुष्पचयं दधानाः।

कुर्वन्त्यशोका हृदयं सशोकं निरीक्ष्यमाणा नवयौवनानाम्॥

7. अधोलिखितस्य पद्यस्य व्याख्या कार्या–

सा नीयमाना रुचिरान्प्रदेशान्प्रियंकरो मे प्रिय इत्यनन्दत्।

नाबुद्ध कल्पद्रुमतां विहाय जातं तमात्मन्यसिपत्रवृक्षम्॥

8. मालविकायाः अग्निमित्रस्य वा चरित्रचित्रणं कुरुत।

खण्ड–स प्रत्येक 20

चतुर्ष **द्वौः** प्रश्नौ समाधेयौ–

9. 'वैदर्भीरीतिसन्दर्भे कालिदासो विशिष्यते' अस्मिन् परिप्रेक्ष्ये कालिदासस्य काव्यकलां समीक्ष्यताम्।

10. महाकविकालिदासस्य 'कालनिर्णय' इति विषयमधिकृत्य विविधमतानाम् समीक्षा विधेया।

11. 'क इह रघुकारे न रमते' कथनस्य मूल्यांकनं क्रियताम्।

12. कुमारसंभवस्य पञ्चमसर्गम् अधिकृत्य 'उपमाकालिदासस्य' समीक्षा सोदाहरणं क्रियताम्।